से स्थानीय समाचार पत्रों में विज्ञापन भी दिए जाते हैं।

एलोपैथी आयुर्वेदिक तथा होम्योपथिक चिकित्सा पद्धतियों के पंजीकृत चिकित्सक

233. श्री अजीत जोगी :
कुमारी सुशीला तिरिया :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1989, 1990 तथा 1991 के अंत में एलोपैथी, आयुर्वेद तथा होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के पंजीकृत चिकित्सकों की अलग-अलग संख्या (स्नातक तथा लाइसेंसधारी) कितनी थी ;

(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान सरकारी अस्पतालों तथा डिस्पेंसरियों की संख्या कितनी थी ;

(ग) उपर्युक्त अवधि के दौरान उपलब्ध कुल बिस्तरों की संख्या कितनी थी तथा प्रति एक लाख जनसंख्या को उपलब्ध बिस्तरों का अनुपात कितना था ;

(घ) शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध कुल डाक्टरों, अस्पतालों / औषधालयों तथा बिस्तरों का प्रतिशत क्या है ; और

(ङ) ईसवी सन् 2000 तक कितने डाक्टरों, अस्पतालों, औषधालयों तथा बिस्तरों की आवश्यकता होगी ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी० के० तारादेवी सिद्धार्थ) :

	1-1-1989 को स्थिति	1-1-90 को स्थिति
(क) पंजीकृत चिकित्सकों की संख्या		
(i) एलोपैथी		
—स्नातक	3,,3,758	3,46,714
—लाइसेंसधारी	37,000	37,000
(ii) आयुर्वेद		
—संस्थागत अर्हता प्राप्त	1,94,589	2,16,256*
—गर-संस्थागत अर्हता प्राप्त	1,00,652	1,00,926*
(iii) होम्योपैथी		
—संस्थागत अर्हता प्राप्त	67,485	68,103*
—गैर-संस्थागत अर्हता प्राप्त	81,381	79,976*
		*आंकड़े अनंतिम
(ख) सरकारी अस्पताल और औषधालय की संख्या		
(i) अस्पताल	4,504	4,52
(ii) औषधालय	13,531	12,639*
	*(सूचना अधूरी है क्योंकि कुछ राज्य सरकारों ने अद्यतन आंकड़े नहीं भेजे हैं)	
(ग) उपलब्ध पलंग की संख्या तथा प्रति लाख आबादी पर पलंग की आवश्यकता		
(i) पलंगों की कुल संख्या (सरकारी और प्राइवेट दोनों अस्पताल)	5,98,059	6,02,490

	1-1-9989 को स्थिति	1-1-1990 को स्थिति
(ii) प्रति लाख आबादी पर पलंगों की संख्या	74	74.5
	(कुछ राज्यों के आंकड़े न होने के कारण सूचना अद्यतन नहीं है।)	

नोट:—वर्ष 1991 की सूचना तत्काल उपलब्ध नहीं है।

(घ) शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डाक्टरों, अस्पतालों/ औषधालयों और उपलब्ध पलंगों की प्रतिशतता

(i) डाक्टर

31 मार्च, 1991 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 21,428 डाक्टर काय कर रहे थे। इसके अतिरिक्त 2416 विशेषज्ञ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कार्य कर रहे थे। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डाक्टरों, प्राइवेट, चिकित्सकों के ब्यौरे के बारे विशिष्ट आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

	शहरी क्षेत्र (1-1-90 को)		ग्रामीण क्षेत्र (1-1-90 को)	
	संख्या	प्रतिशतता	संख्या	प्रतिशतता
(ii) अस्पताल (सरकारी और प्राइवेट दोनों)	7,005	68.86	3,167	31.13
(iii) औषधालय	15,557	55.00	12,747	45.00
(iv) अस्पताली पलंग	5,06,768	84.11	95,722	15.89
(v) औषधालय पलंग	9,286	40.50	13,642	59.50

(ङ) सन् 2000 ईसवी तक, डाक्टर, अस्पताल, औषधालयों की आवश्यकता।

सन् 2000 ईसवी तक की ऐसी आवश्यकताओं के बारे में विशिष्ट रूप से कुछ निर्धारित करना सम्भव नहीं होगा क्योंकि यह सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक स्थितियों, संचारी और गैर संचारी रोगों की व्यापतता, जनसंख्या के आकार और इसके गठन आदि जैसे कई कारणों पर निर्भर करता है।

Action Plan for Family Welfare Programme

234. MISS SAROJ KHAPARDE :

DR. SANJAYA SINH :

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to refer to the reply to Unstarred Question 538 given in the Rajya Sabha on the 27th November, 1992 and state :

(a) whether Government have since finalised the details of the Action Plan to impart a new thrust and dynamism to the Family Welfare Programme ;

(b) if so, the details thereof ;

(c) whether Government have since considered the suggestion of making the two children norm obligatory for eligibility for any elected office; and